

## हिन्दी भारत की शक्ति है



भाषा ही नहीं अभिव्यक्ति है, हिन्दी भारत की शक्ति है।  
संस्कृत पुत्री ले सरलता उतरी, ये सरस्वती की भक्ति है।।

जन-गण की ये भाषा है, तन-मन की अभिलाषा है  
धर्मों का संभाव लिए, उत्तर-दक्षिण का जुड़ाव लिए  
हिन्दी है पहचान देश की, अखंड भारत के परिवेश की  
ये भारत की संस्कृति है, हिन्दी भारत की शक्ति है।

अन्य से इसका बैर नहीं, इसके लिए कोई गैर नहीं  
भले न इसके पैर सही, कई देशों में करती सैर रही  
गूगल ने इसे विस्तार दिया, संभावनाओं का संसार दिया  
पूरे विश्व में इसकी हस्ती है, हिन्दी भारत की शक्ति है।

तुलसी, कबीर, सूर, रसखान, किया सभी ने हिंदी में गुणगान  
महादेवी, निराला, प्रसाद, बच्चन, दिनकर जैसे कई कवि महान  
नीरज, प्रदीप, गुलजार, आनंद, समीर के गीतों की है शान  
ये हिन्दी के प्रख्यात व्यक्ति हैं, हिन्दी भारत की शक्ति है।

साहित्य, कला, फिल्मों, विज्ञापन, हिंदी माध्यम से है अध्यापन  
पूजा-आराधना हो या योग-साधना हिन्दी में है उत्तम संसाधन  
गांधी, सुभाष, मोदी, अटल ने पहुंचाया हिंदी को विश्व-पटल  
देवनागरी को दी नई युक्ति है, हिन्दी भारत की शक्ति है।

भाषा ही नहीं अभिव्यक्ति है, हिन्दी भारत की शक्ति है।  
संस्कृत पुत्री ले सरलता उतरी, ये सरस्वती की भक्ति है।।

सुशील कुमार, आशुलिपिक  
डीन कार्यालय, निफ्ट मुख्यालय